(4)

# श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

( मानित विश्वविद्यालय )

बी-४ कुतुबसांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-१६

## राष्ट्रिया पाण्डुलिपिविज्ञान-लिपिविज्ञान कार्यशाला

( दिनांक- ०३.०३.२०१७-२४.०३.२०१७ )

## पाण्डुलिपिविज्ञान एवं लिपिविज्ञान पर आयोजित २१ दिवसीय-कार्यशाला का प्रतिवेदन

राष्ट्रिय पाण्डुलिपि मिशन नई दिल्ली एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनाङ्क 03.03.2017 से 24.03.2017 तक 21 दिवसीय राष्ट्रिया पाण्डुलिपिविज्ञान-लिपिविज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 03.03.2017 को वैदिकमङ्गलाचरण एवं माँ भगवती सरस्वती के समर्चन के अनन्तर मा. कुलपति महोदय की अध्यक्षता में प्रो. जी.सी. त्रिपाठी जी के मुख्यातिथित्व तथा डॉ. एन.सी. कर प्रतिनिधि निदेशक राष्ट्रिय पाण्डुलिपि मिशन नई दिल्ली के विशिष्टातिथित्व में वाचस्पतिसभागार में कार्यशाला का उद्घाटन सम्पन्न हुआ। उद्घाटन सत्र में आये हुये समस्त विद्वान् अतिथियों का स्वागत विद्यापीठ के साहित्यसंस्कृतिसङ्काय प्रमुख प्रो. भागीरथि नन्द जी द्वारा किया गया। मुख्यातिथि प्रो. जी.सी. त्रिपाठी जी ने पाण्डुलिपियों के सन्दर्भ में गम्भीर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए सम्पूर्ण विश्व में उपलब्ध हस्तलिखित ग्रन्थों की उपलब्धता के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। राष्ट्रिय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. वी.आर. रेड्डी के प्रतिनिधिभूत विशिष्टातिथि डॉ. एन.सी. कर ने कार्यशाला के औचित्य एवं आयोजन को विस्तार से प्रकाशित किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी ने पाण्डुलिपि कार्यशाला में आये हुए समस्त प्रतिभागियों को पाण्डुलिपि की महत्ता से परिचय कराया साथ ही विद्यापीठ द्वारा समय समय पर सम्पन्न हुई पाण्डुलिपि कार्यशालाओं के बारे में भी अवगत कराया। उद्घाटन सत्र का संचालन कार्यशाला के संयोजक डॉ. शिवशङ्कर मिश्र द्वारा किया गया। आये हुये अतिथियों का हार्दिक धन्यवाद प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने किया।

(प्रो. शिवशङ्कर मिश्र)
शोधविभागाध्यक्ष